मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 13 अप्रैल 2017

एजेके एमसीआरसी के पूर्व छात्रों ने जीते नेशनल फिल्म अवार्ड

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रतिष्ठित एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर :एजेके एमसीआरसीः के तीन पूर्व छात्रों द्वारा निर्देशित दो डाक्यूमेंटरी ने 64 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में रजत कमल पुरस्कार जीत कर अपने शैक्षिक संस्थान के सम्मान को बढ़ाया।

तुशार माधव और सार्वनिक कौर द्वारा निर्देशित '' सोज़ .... अ बैलड ऑफ मैलडी '' ने रजत कमल पुरस्कार जीता। यह डाक्यूमेंटरी कश्मीर के संघर्षरत कलाकारों और संगीतज्ञों की कहानी को बयां करती है। इसे 'बेस्ट नॉन फ़ीचर फ़िल्म 'श्रेणी में यह पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार के साथ दोनों को 50–50 हज़ार रूपए भी इनाम में दिए गए। इस डाक्यूमेंटरी को पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्ट ट्रस्ट ने प्रोडूस किया है।

इस पुरस्कार के प्रशंसा पत्र में कहा गया है, '' संगीत और काव्य के ज़रिए एक पेचीदा राजनीतिक ताने बाने को बहुत साहसिक और नए तरीक़े से पेश किया गया है।''

शर्ली अब्राहम द्वारा निर्देशित अन्य पुरस्कृत डाक्यूमेंटरी '' द सिनेमा ट्रैवलर्स '' को स्पेशल जूरी अवार्ड श्रेणी के तहत रजत कमल पुरस्कार और 50 हज़ार रूपयों की राशि दी गई।

इसके प्रशंसा पत्र में कहा गया, '' भारत की अंतिम ट्रैवलिंग फिल्मों को संवेदनशील और काव्यात्मक तरीके से परदे पर उतारा गया है। '' यह डाक्यूमेंटरी 2016 के कांन्स फिल्म फेस्टिवल में ' स्पेशल जूरी पुरस्कार' सहित कई अंतरराष्ट्रीय इनाम जीत चुकी है।

इन पुरस्कारों की घोषणा पिछले सप्ताह हुई थी।

जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद ने इन पुरस्कारों के लिए बधाई देते हुए कहा, '' इन पूर्व छात्रों ने न सिर्फ विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ाया है बल्कि समाज और संस्कृति से जुड़े विभिन्न मुद्दों को फिल्मों और डाक्यूमेंटरी द्वारा उजागर करने के एजेके एमसीआरसी के उद्देश्य और मिशन को भी पूरा किया है।

साइमा सईद

डेप्यूटी मीडिया कोऑर्डनैटर

font: Kruti Dev 010